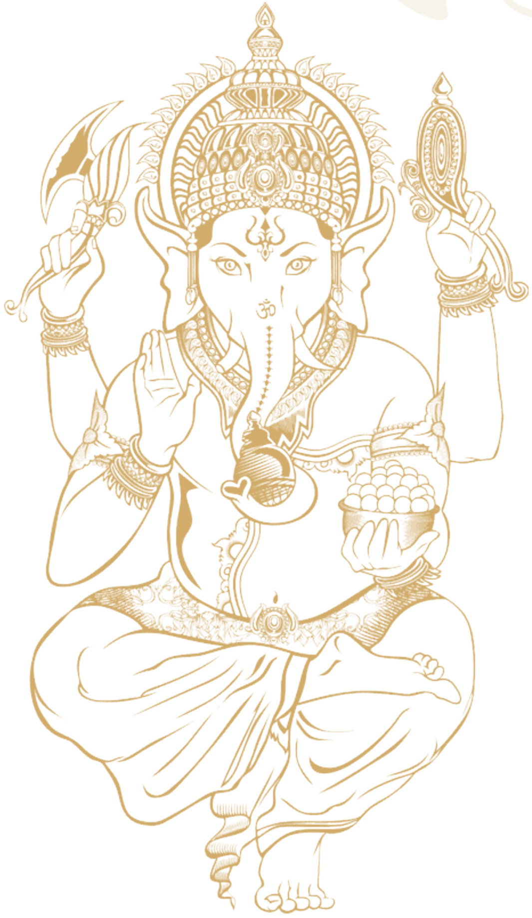

Vipul kumar

02 Mar 1999

04:45 AM

Saharsa

Model: web-freekundliweb

Order No: 121845003

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	: **1-02/03/1999**
दिन	: सोम-मंगलवार
जन्म समय	: **04:45:00 घंटे**
इष्ट	: 56:32:52 घटी
स्थान	: **Saharsa**
राज्य	: Bihar
देश	: India

अक्षांश	: 25:54:00 उत्तर
रेखांश	: 86:36:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: 00:16:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 05:01:24 घंटे
वेलान्तर	: -00:12:29 घंटे
साम्पातिक काल	: 15:38:39 घंटे
सूर्योदय	: 06:07:51 घंटे
सूर्यास्त	: 17:44:38 घंटे
दिनमान	: 11:36:47 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	: दक्षिण
ऋतु	: वसन्त
सूर्य के अंश	: 17:04:37 कुम्भ
लग्न के अंश	: 19:59:27 मकर

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: मकर - शनि
राशि-स्वामी	: **सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	: **मघा - 4**
नक्षत्र स्वामी	: केतु
योग	: सुकर्मा
करण	: बव
गण	: राक्षस
योनि	: मूषक
नाड़ी	: अन्त्य
वर्ण	: क्षत्रिय
वश्य	: वनचर
वर्ग	: मूषक
युँजा	: मध्य
हंसक	: अग्नि
जन्म नामाक्षर	: मे-मेहर
पाया(राशि-नक्षत्र)	: लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मक	19:59:27	427:14:09	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	केतु	---
सूर्य			कुंभ	17:04:37	01:00:12	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			सिंह	13:15:51	12:53:05	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	मित्र राशि
मंगल			तुला	16:47:20	00:10:50	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	सम राशि
बुध			मीन	05:03:57	01:09:59	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	नीच राशि
गुरु			मीन	09:59:14	00:13:59	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	स्वराशि
शुक्र			मीन	16:07:06	01:13:34	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	उच्च राशि
शनि			मेष	06:14:45	00:05:53	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	नीच राशि
राहु	व		कर्क	28:18:20	00:01:14	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		मक	28:18:20	00:01:14	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			मक	20:30:07	00:03:13	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
नेप			मक	09:23:50	00:01:54	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	16:36:48	00:00:25	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			वृश्चि	03:06:55	--	विशाखा	--	16	मंगल	गुरु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:33

लग्न-चलित

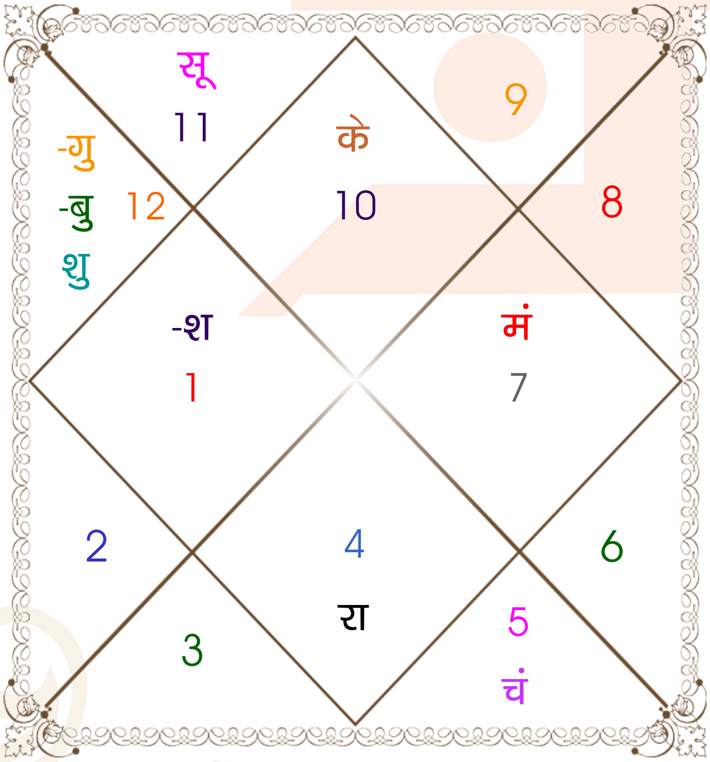

चन्द्र कुंडली

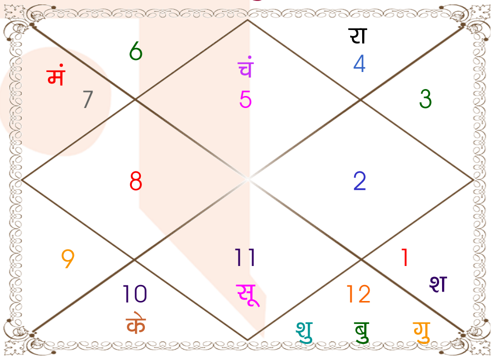

नवमांश कुंडली

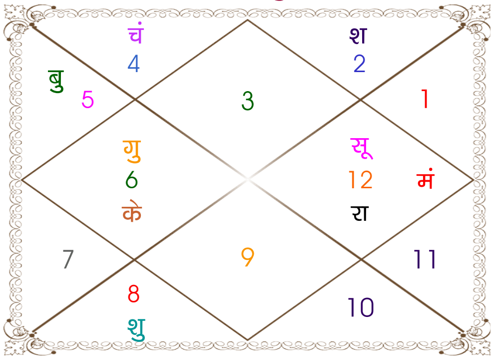

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 0 वर्ष 0 मास 13 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
02/03/1999		15/03/1999		15/03/2019		14/03/2025		15/03/2035	
15/03/1999		15/03/2019		14/03/2025		15/03/2035		15/03/2042	
	00/00/0000	शुक्र	14/07/2002	सूर्य	03/07/2019	चंद्र	13/01/2026	मंगल	11/08/2035
	00/00/0000	सूर्य	15/07/2003	चंद्र	01/01/2020	मंगल	14/08/2026	राहु	29/08/2036
	00/00/0000	चंद्र	14/03/2005	मंगल	08/05/2020	राहु	13/02/2028	गुरु	05/08/2037
	00/00/0000	मंगल	15/05/2006	राहु	02/04/2021	गुरु	14/06/2029	शनि	13/09/2038
	00/00/0000	राहु	14/05/2009	गुरु	19/01/2022	शनि	13/01/2031	बुध	11/09/2039
	00/00/0000	गुरु	13/01/2012	शनि	01/01/2023	बुध	14/06/2032	केतु	07/02/2040
	00/00/0000	शनि	15/03/2015	बुध	07/11/2023	केतु	13/01/2033	शुक्र	08/04/2041
	02/03/1999	बुध	13/01/2018	केतु	14/03/2024	शुक्र	13/09/2034	सूर्य	14/08/2041
बुध	15/03/1999	केतु	15/03/2019	शुक्र	14/03/2025	सूर्य	15/03/2035	चंद्र	15/03/2042

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
15/03/2042		14/03/2060		14/03/2076		15/03/2095		15/03/2112	
14/03/2060		14/03/2076		15/03/2095		15/03/2112		03/03/2119	
राहु	25/11/2044	गुरु	02/05/2062	शनि	18/03/2079	बुध	11/08/2097	केतु	11/08/2112
गुरु	20/04/2047	शनि	13/11/2064	बुध	25/11/2081	केतु	08/08/2098	शुक्र	11/10/2113
शनि	24/02/2050	बुध	19/02/2067	केतु	04/01/2083	शुक्र	09/06/2101	सूर्य	16/02/2114
बुध	13/09/2052	केतु	26/01/2068	शुक्र	06/03/2086	सूर्य	15/04/2102	चंद्र	17/09/2114
केतु	01/10/2053	शुक्र	26/09/2070	सूर्य	16/02/2087	चंद्र	15/09/2103	मंगल	14/02/2115
शुक्र	01/10/2056	सूर्य	15/07/2071	चंद्र	16/09/2088	मंगल	11/09/2104	राहु	03/03/2116
सूर्य	26/08/2057	चंद्र	13/11/2072	मंगल	26/10/2089	राहु	31/03/2107	गुरु	07/02/2117
चंद्र	25/02/2059	मंगल	20/10/2073	राहु	01/09/2092	गुरु	06/07/2109	शनि	19/03/2118
मंगल	14/03/2060	राहु	14/03/2076	गुरु	15/03/2095	शनि	15/03/2112	बुध	03/03/2119

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 0 वर्ष 0 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म श्रवण नक्षत्र के तृतीय चरण में मकर लग्न में हुआ था। ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन नवमांश एवं वृषभ द्रेष्काण भी उदित था। फलस्वरूप आपके जन्म के साथ-साथ लक्ष्मी और सरस्वती दोनों का शुभागमन की स्थापना हो रही है। अर्थात् आपका जीवन ज्ञान और लक्ष्मी दोनों से युक्त रहेगा। देवी-देवता द्वारा ज्ञान एवं लक्ष्मी की वृद्धि आपके पक्ष में होगा। आपका जीवन सुखी एवं आनंदपूर्ण रहेगा। आप बहुत बड़े भाग्यशाली हैं। आपकी पत्नी आकर्षक एवं घर-परिवार को सुव्यवस्थित रखने वाली तथा संतान समझदार होंगे।

आप गायन कला की गहन शिक्षा प्राप्त कर गायन कला में निपुणता प्राप्त कर आप अपने कर्म क्षेत्र का विस्तार करेंगे। साथ ही ज्योतिष एवं गणितीय शिक्षा में सर्वथा संभाव्य अभिरूचि रखेंगे। आपका सामान्य ज्ञान की छाप बहुत लोगों पर प्रभाव डालेगा तथा जो व्यक्ति आपसे संबंधित रहेंगे। वे लोग आपके पास पहुंच कर, वे बहुत विषयों से संबंधित आपकी राय एवं निर्देशन प्राप्त करेंगे।

अतएव आप संबंधित व्यक्ति द्वारा धन का संचय करेंगे। आप भाग्यशाली हैं। आप अपने जीवन की आयु के 19 वें वर्ष से 24 वें वर्ष के मध्य सर्वाधिक लाभ उपार्जन हेतु उंची छलांग लगाकर अपनी जड़ को सुदृढ़ कर लेंगे। आप ऐसी आशा कर सकते हैं कि आप अपने अंतर्ज्ञान एवं आंतरिक अपार शक्ति के सम्मिलन से अतिरिक्त धन प्राप्ति एवं समृद्धि हेतु अपनी क्षमता के अनुरूप कठिन श्रम करेंगे। आप अपने आत्मिक शक्ति के आधार पर किसी भी प्रकार के कार्य व्यवसाय के पीछे पड़ कर कार्यारंभ कर सकेंगे। चाहे कितनी भी मुश्किलें आएं। आप उसका सामना करेंगे। आप किसी भी विषय पर बहुत अधिक चिंता करते हैं। आप इन चिंताओं का परित्याग करे अन्यथा कुछ वर्षों के बाद आपको पाचन क्रिया की विकृत्ति जैसी समस्याओं को झेलना पड़ेगा। आपको कतिपय रोगादि के प्रति सतर्क रहना चाहिए। यथा उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति में बृद्धि, गठिया संबंधित रोग जनित पीड़ा एवं क्षय रोगादि के कष्ट का सामना करना पड़ सकता है। आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप इन विंदुओं पर समय-समय पर चिकित्सा संबंधी जांच कराते रहें।

आप दानशील प्रवृति के प्राणी हैं। आप उदारभाव से संस्थाओं को दान करेंगे तथा स्वयंसेवी होकर सामाजिक सेवा करेंगे। आप उच्चस्तरीय धार्मिक प्रवृति के प्राणी होकर अनेक तीर्थस्थलों का भ्रमण करेंगे।

आपके लिए अंकों में उत्तम अंक 6, 8 एवं 9 अंक लाभप्रदायक होगा। परंतु अंक 3 का सर्वथा त्याग करे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन उत्तम फलदायी है। परंतु रविवार, सोमवार एवं बृहस्पतिवार का दिन आपके लिए समस्याग्रस्त रहेगा। अतएव इन दिनों का परित्याग करें।

आपके लिए रंगों में पीला एवं क्रीम रंग सर्वथा अनुपयुक्त है। आपके लिए व्यवहारणीय रंग सफेद, काला, लाल एवं नीला रंग उपयुक्त है।